हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय , कैगा

1. श्री प्रसाद गोखले, (प्राचार्य एवं अध्यक्ष)
2. श्री राजेंद्र सिंह, सचिव (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
3. श्रीमती नीतूरानी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका
4. श्रीमती नसीम बानो, प्राथमिक शिक्षिका
5. श्रीमती सीमा गौतम, प्राथमिक शिक्षिका
6. श्री शिवशंकर गौतम प्राथमिक शिक्षक
7. श्री नागप्पा आर, प्राथमिक शिक्षक
8. श्री निखिल, प्राथमिक शिक्षक
9. श्रीमती अश्विनी नेत्रेकर, प्रवर श्रेणी लिपिक
10. श्री शिवानंद अम्बिग , कार्य सहायक

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय कैगा
हिंदी पखवाड़ा - 2025

माननीय गृहमंत्री जी का संदेश-

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो !

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत मूलतः भाषा–प्रधान देश है। हमारी भाषाएँ सदियों से संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान–विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम रही हैं। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, मरुभूमि से लेकर बीहड़ जंगलों और गाँव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से संगठित रहने और एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है।

मिलकर चलो, मिलकर सोचो और मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई और सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है।

भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया। पूर्वोत्तर में बीहू का गान, तमिलनाडु में ओवियालू की आवाज, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति की पदावली, बंगाल में बाउल संत के भजन, आदिम समाज में ढोल–मांदर की थाप पर करमा की गूँज, माताओं की लोरियाँ, किसानों का बारहमासा, कजरी गीत, भिखारी ठाकुर की 'बिदेशिया', इन सबने हमारी संस्कृति को जीवन्त और लोककल्याणकारी बनाया है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय भाषाएँ एक दूसरे की सहचर बनकर, एकता के सूत्र में बंधकर आगे बढ़ रही हैं। संत तिरुवल्लुवर को जितनी भावुकता से दक्षिण में गाया जाता है, उतनी ही रुचि से उत्तर में भी पढ़ा जाता है। कृष्णदेवराय जितने लोकप्रिय दक्षिण में हुए, उतने ही उत्तर में भी। सुब्रमण्यम भारती की राष्ट्रप्रेम से ओत–प्रोत रचनाएँ हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रप्रेम को प्रबल बनाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास को हर एक देशवासी पूजता है, संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम अनुवादों में पाए जाते रहे हैं। सूरदास की पदावली दक्षिण भारत के मंदिरों और संगीत परंपरा में आज भी प्रचलित है। श्रीमंत शंकरदेव, महापुरुष माधवदेव को हर एक वैष्णव जानता है। और, भूपेन हजारिका को हरियाणा का युवा भी गुनगुनाता है।

गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएँ प्रतिरोध की आवाज बनीं और आज़ादी के आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बनाने में भूमिका निभाई। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, गाँव–देहात की भाषा में लोगों को आज़ादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाटककारों ने लोकभाषाओं, लोककथाओं, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

जब देश आजाद हुआ, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने भाषाओं की क्षमता और महत्ता को देखते हुए

इस पर विस्तार से विचार–विमर्श किया और 14 सितम्बर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया। संविधान के अनुच्छेद 351 में यह दायित्व सौंपा गया कि हिंदी का प्रचार–प्रसार हो और वह भारत की सामासिक संस्कृति का प्रभावी माध्यम बने।

पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड आया है। चाहे संयुक्त राष्ट्रसंघ का मंच हो, जी–20 का सम्मेलन या SCO में संबोधन, मोदी जी ने हिंदी और भारतीय भाषाओं में संवाद कर भारतीय भाषाओं का स्वाभिमान बढ़ाया है।

मोदी जी ने आजादी के अमृत काल में गुलामी के प्रतीकों से देश को मुक्त करने के जो पंच प्रण लिए थे, उसमें भाषाओं की बड़ी भूमिका है। हमें अपनी संवाद और आपसी संपर्क भाषा के रूप में भारतीय भाषा को अपनाना चाहिए, न कि किसी विदेशी भाषा को। तभी हम गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त हो पाएँगे।

राजभाषा हिंदी ने 76 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। राजभाषा विभाग ने अपनी स्थापना के स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण कर हिंदी को जनभाषा और जनचेतना की भाषा बनाने का अद्भुत कार्य किया है। 2014 के बाद से सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दिया गया है। संसदीय राजभाषा समिति ने वर्ष 1976 में अपनी स्थापना से लेकर 2014 तक माननीय राष्ट्रपति महोदया को प्रतिवेदन के 9 खंड प्रस्तुत किए थे, वहीं 2019 से अब तक 3 खंड प्रस्तुत किए जा चुके हैं। 13–14 नवम्बर 2021 को वाराणसी से प्रारंभ हुए अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों की परम्परा भी लगातार आगे बढ़ रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित 'कंठस्थ 2.0' में आज 5 करोड़ से अधिक वाक्यों का ग्लोबल डाटाबेस उपलब्ध है। 'लीला राजभाषा' और 'लीला प्रवाह' जैसे शिक्षण पैकेजों के माध्यम से 14 भारतीय भाषाओं में हिंदी सीखने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2022 में शुरू हुआ 'हिंदी शब्द सिंधु' अब तक लगभग 7 लाख शब्दों से समृद्ध हो चुका है।

2024 में हिंदी दिवस पर 'भारतीय भाषा अनुभाग' की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के बीच सहज अनुवाद सुनिश्चित करना है। हमारा लक्ष्य यह है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम न रहकर तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। डिजिटल इंडिया, ई–गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में हम भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम, प्रासंगिक और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत को अग्रणी बनाने वाली शक्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं।

मित्रों, भाषा सावन की उस बूँद की तरह है, जो मन के दुःख और अवसाद को धोकर नई ऊर्जा और जीवन शक्ति देती है। बच्चों की कल्पना से गढ़ी गई अनोखी कहानियों से लेकर दादी–नानी की लोरियों और किस्सों तक, भारतीय भाषाओं ने हमेशा समाज को जिजीविषा और आत्मबल का मंत्र दिया है।

मिथिला के कवि विद्यापति जी ने ठीक ही कहा है:
"देसिल बयना सब जन मिट्ठा।"
अर्थात् अपनी भाषा सबसे मधुर होती है।

आइए, इस हिंदी दिवस पर हम हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करने और उन्हें साथ लेकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लें।

आप सभी को एक बार फिर से हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

वंदे मातरम्।

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2025

(अमित शाह)

अध्यक्ष,परमाणु ऊर्जा आयोग व सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग का संदेश -

डॉ. अजित कुमार मोहान्ती
Dr. Ajit Kumar Mohanty

भारत सरकार
Government of India

अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग
व
सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग
Chairman, Atomic Energy Commission
&
Secretary, Department of Atomic Energy

संदेश

प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस (14 सितंबर 2025) के अवसर पर मैं, परमाणु ऊर्जा विभाग की विभिन्न इकाइयों, उपक्रमों और सहायता प्राप्त संस्थानों में कार्यरत अपने सभी साथियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

अभी हाल ही में हमने विभाग की स्थापना की 'प्लैटीनम जुबली' मनाई है । इस अवसर पर पूरे देश में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। साथ ही, वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि में परमाणु ऊर्जा के योगदान को सुनिश्चित करने के लिए हमने 'अमृत काल संकल्प प्रलेख' भी जारी किया है। यह संकल्प प्रलेख विभाग की भविष्य की दिशा सुनिश्चित करेगा और मार्गदर्शन प्रदान करेगा ।

किसी भी देश का विकास उसकी वैज्ञानिक प्रगति पर निर्भर करता है। पिछले 70 वर्षों में हमने विज्ञान के अलग-अलग क्षेत्रों में अद्वितीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। इन उपलब्धियों ने देश के आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद आम जनता को परमाणु ऊर्जा और इसके अनुप्रयोगों के बारे में बहुत कम जानकारी है। अपने अन्य सभी कार्यों के साथ-साथ लोगों को परमाणु ऊर्जा के बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए हम हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का उपयोग करते हुए आम जनता तक अपनी पहुँच बढ़ा रहे है। विभाग के सोशल मीडिया पर भी हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है। हिंदी में जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न यूनिटों से प्रकाशित होनेवाली हिंदी गृहपत्रिकाएं भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कार्यालय से लेकर समाज तक हम राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ा रहे है।

मुझे खुशी है कि परमाणु ऊर्जा विभाग को वर्ष 2024-2025 के लिए 'राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार' प्राप्त हुआ है। देश के विभिन्न राज्यों में फैली हमारी संघटक इकाइयाँ भी नगर और क्षेत्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त कर रही हैं । राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए मैं विभाग और इसकी सभी संघटक इकाइयों को बधाई देता हूं । लेकिन हमें अपनी इन उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होना है और इस शानदार परंपरा को निरंतर बनाए रखना है।

2..

अणुशक्तिभवन, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुंबई - 400 001, भारत • Anushakti Bhavan, Chhatrapati Shivaji Maharaj Marg, Mumbai - 400 001, India
दूरभाष/Phone:+(91) (22) 2202 2563 • फैक्स/Fax: +(91) (22) 2204 8476 / 2284 3888
ई-मेल/E-mail: chairman@dae.gov.in

इस अवसर पर मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि आप अपने सभी कार्यों में सरल और सहज हिंदी का प्रयोग करें। राजभाषा विभाग द्वारा विकसित कंठस्थ अनुवाद टूल का प्रयोग करें। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को मूल रूप से हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करें। मुझे विश्वास है कि आप सभी के समन्वित प्रयासों से हम विज्ञान और भाषा दोनों ही क्षेत्रों में उत्कृष्टता बनाए रखने में सफल होंगे।

आप सभी को पुन: हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ !

जय हिंद, जय हिंदी !

14 सितंबर, 2025

(अजित कुमार मोहान्ती)

विद्यालय स्तर पर हिंदी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, कैगा

हिंदी पखवाड़ा 2025

हिंदी प्रतियोगिताओं के परिणाम

क्रम संख्या	प्रवेश संख्या	नाम	कक्षा	प्रतियोगिता	पुरस्कार
1	5265	अद्विक नारंग	1A	सुलेख लेखन	पहला
2	5254	प्रियांशी कस्वे	1B	सुलेख लेखन	दूसरा
3	5280	मायान्शी छपरे	1A	सुलेख लेखन	तीसरा
4	5321	आसित छेत्रसेन गवई	2A	सुलेख लेखन	पहला
5	5296	नमन आनंद हेम्ब्रम	2A	सुलेख लेखन	दूसरा
6	5151	आरूही सिन्हा	2A	सुलेख लेखन	तीसरा
7	5246	अर्णव राज	3A	वाक्य लेखन	पहला
8	5097	सम्पदा गजानन देशमुख	3A	वाक्य लेखन	दूसरा
9	5091	अशरा राज	3A	वाक्य लेखन	तीसरा
10	4983	युवान पात्रो	4C	पत्र लेखन	पहला
11	4988	दिव्यांश मिश्रा	4B	पत्र लेखन	दूसरा
12	4967	भूमि जैन	4B	पत्र लेखन	तीसरा
13	5242	सुमेध	5B	अनुच्छेद लेखन	पहला
14	5245	अन्वी भारती	5C	अनुच्छेद लेखन	दूसरा
15	5295	अनन्या पाठक	5A	अनुच्छेद लेखन	तीसरा

27.9.25
प्रभारी

मुख्य अध्यापिका

उप प्राचार्य

प्राचार्य

दिनांक : 06/10/2025

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, कैगा

हिन्दी राजभाषा कार्यान्वयन समिति 2025

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत सम्पन्न प्रतियोगिता (विद्यार्थी वर्ग) के परिणाम

प्रतियोगिता का नाम	विजेता का नाम
कविता लेखन (कक्षा-6)	1.श्रीनिध 2. नमन राठौड़
पत्र लेखन (कक्षा-7)	1.श्रद्धा राघवेंद्र नायक 2.आरोन डिसूज़ा 3 . कृष्णव् गुप्ता 3 .अनन्या दास
निबंध लेखन (कक्षा-8)	1.ऐमन खानम 2. अनुभा स्मृति 3 . रुजुता अमोल शुक्ल 3. सफीना नदफ
शुभकामना सन्देश प्रतियोगिता (कक्षा-9)	1.श्रीवत्स बलगा 2.अन्वी धावड़े
शुभकामना सन्देश प्रतियोगिता (कक्षा-10)	1.प्रथम कुडकर 2. विवेक प्रभु 3.योगित कुमार 3 . जी अजय
भाषण प्रतियोगिता (कक्षा-11)	1.सर्वेश राघवेंद्र नायक 2. तृप्ति सुनील पेडनेकर

आयोजन कर्ता
राजेंद्र सिंह,नीतू रानी,अपूर्वा घूमवाड

(सुधीर खुल्लर)
उप प्राचार्य

(प्रसाद गोखले)
प्राचार्य एवं अध्यक्ष
रा.भा. का. स. प. ऊ. कें. वि. कैगा

हिंदी प्रदर्शनी के छायाचित्र एवं झलकियाँ –

+

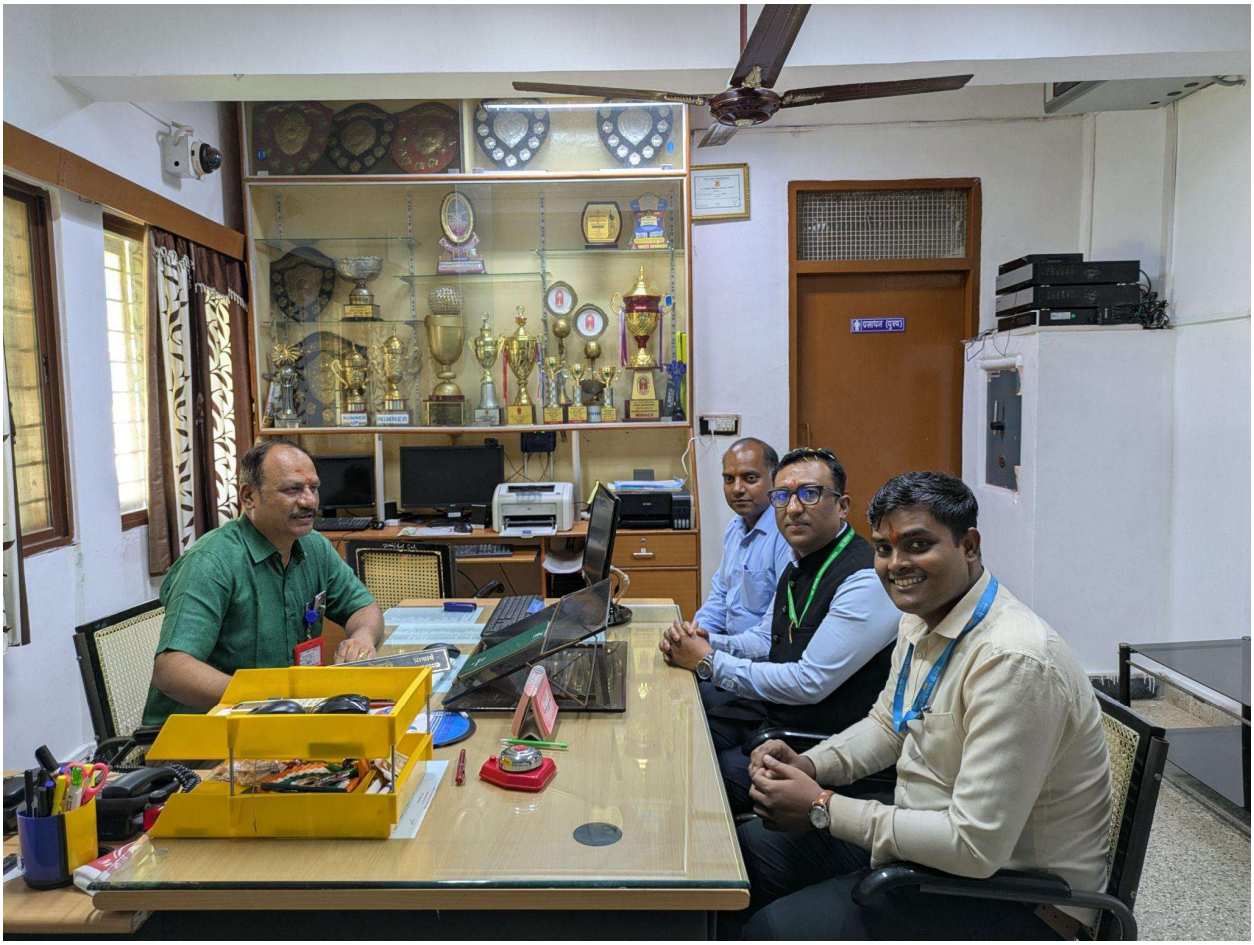

ATOMIC ENERGY CENTRAL SCHOOL, KAIGA
परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, कैगा
ATOMIC ENERGY CENTRAL SCHOOL KAIGA
हिंदी पखवाड़ा - 2025
हिंदी मौलिक कविता लेखन

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय कैगा
हिंदी पखवाड़ा - 2025

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय कैगा
हिंदी पखवाड़ा - 2025

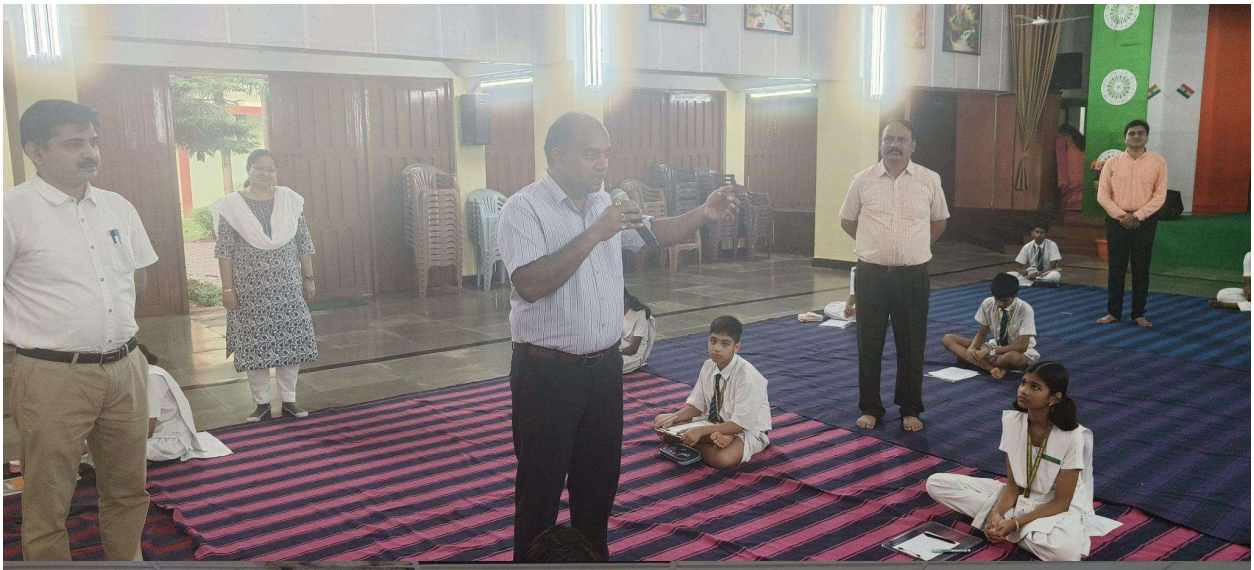

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, कैगा
हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
हिंदी पखवाड़ा - २०२५
पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता
दिनांक - 13/09/२०२५

विश्व
हिन्दी
दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
Galaxy S23 FE

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय कैगा
हिंदी पखवाड़ा - 2025